स्विट्जरलैंड ने कोलंबिया को हराया

72 साल बाद क्वार्टर फाइनल में पहुंचा स्विट्जरलैंड

फीफा विश्व कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड ने इतिहास रच दिया. मंगलवार को खेले गए रोमांचक मुकाबले में स्विट्जरलैंड ने कोलंबिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया. यह जीत स्विट्जरलैंड के लिए बेहद खास रही, क्योंकि टीम ने 1954 के बाद पहली बार विश्व कप के अंतिम-8 में जगह बनाई है.

मुकाबले की शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली. स्विट्जरलैंड और कोलंबिया ने गोल करने के कई प्रयास किए, लेकिन दोनों टीमों के डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन किया. निर्धारित 90 मिनट के खेल के बाद स्कोर बराबर रहा और अतिरिक्त समय में भी कोई गोल नहीं हो सका.

इसके बाद मुकाबला पेनल्टी शूटआउट तक पहुंचा, जहां खिलाड़ियों के साथ-साथ गोलकीपरों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गई. स्विट्जरलैंड के गोलकीपर ग्रेगोर कोबेल ने दबाव भरे क्षण में शानदार बचाव करते हुए कोलंबिया के कुचो हर्नांडेज की पेनल्टी रोक दी. कोलंबिया को एक और बड़ा झटका तब लगा जब डेविंसन सांचेज की पेनल्टी क्रॉसबार से टकराकर बाहर चली गई. हालांकि, स्विट्जरलैंड के मैनुएल अकांजी भी अपनी पेनल्टी को गोल में नहीं बदल सके, जिससे मुकाबला रोमांचक बना रहा. निर्णायक मौके पर रुबेन वर्गास ने शानदार पेनल्टी लगाकर स्विट्जरलैंड को जीत दिला दी. इस जीत के साथ कोलंबिया का विश्व कप सफर समाप्त हो गया. कोलंबिया दूसरी बार विश्व कप क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की कोशिश कर रहा था. इससे पहले टीम 2014 विश्व कप में अंतिम-8 तक पहुंची थी. अब स्विट्जरलैंड के सामने क्वार्टर फाइनल में बड़ी चुनौती होगी, जहां उसका मुकाबला गत चैंपियन अर्जेंटीना से होगा. अर्जेंटीना जैसी मजबूत टीम के खिलाफ स्विट्जरलैंड को एक बार फिर अनुशासन, रक्षात्मक मजबूती और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करना होगा. स्विट्जरलैंड की यह जीत टीम के विश्व कप इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धियों में शामिल हो गई है. 72 साल के लंबे इंतजार के बाद क्वार्टर फाइनल में पहुंची टीम अब टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए पूरी ताकत लगाएगी.

एम्बाप्पे विवाद पर फीफा सख्त, कहा : फुटबॉल सबके लिए है : इनफेंटिनो

नई दिल्ली. फुटबॉल जगत में नस्लवाद के खिलाफ आवाज लगातार मजबूत हो रही है. फ्रांस के स्टार खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे को लेकर हुए विवाद पर फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने नस्लीय टिप्पणियों की निंदा करते हुए कहा कि फुटबॉल में नस्लवाद के लिए कोई स्थान नहीं है. इन्फेंटिनो ने एम्बाप्पे के समर्थन में बयान जारी करते हुए कहा कि फीफा हर खिलाड़ी के सम्मान, समानता और गरिमा की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है. उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी खिलाड़ी के खिलाफ नस्लीय या अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार नहीं की जाएगी. यह विवाद तब सामने आया जब पराग्वे की सीनेटर सेलेस्टे अमारिया की ओर से सोशल मीडिया पर एम्बाप्पे को लेकर की गई कथित नस्लीय टिप्पणी वायरल हो गई. पोस्ट सामने आने के बाद फुटबॉल प्रशंसकों, खिलाड़ियों और कई संगठनों ने इसकी आलोचना की.

0-2 से पिछड़कर अर्जेंटीना क्वार्टर फाइनल में

एटलांटा, 08 जुलाई. मौजूदा फीफा विश्व कप चैंपियन अर्जेंटीना ने राउंड ऑफ-16 के मुकाबले में अद्भुत जज्बा दिखाते हुए मिस्र को 3-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया. अटलांटा में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में अर्जेंटीना एक समय 0-2 से पीछे चल रहा था, लेकिन कप्तान लियोनेल मेसी की शानदार अगुआई में टीम ने मुकाबले का रुख पूरी तरह बदल दिया. मिस्र ने मुकाबले की शुरुआत बेहद आक्रामक अंदाज में की और 15वें मिनट में यासर इब्राहिम के हेडर से बढ़त हासिल कर ली. इसके बाद अर्जेंटीना ने कई हमले किए, लेकिन मिस्र के गोलकीपर मुस्तफा शोबीर दीवार बनकर खड़े रहे. उन्होंने मेसी की पेनल्टी समेत कई खतरनाक प्रयासों को रोककर अपनी टीम की बढ़त बनाए रखी. दूसरे हाफ में मिस्र ने अर्जेंटीना पर दबाव और बढ़ा दिया. 62वें मिनट में मुस्तफा जिको ने गोल कर मिस्र की बढ़त 2-0 कर दी. इस गोल के बाद अर्जेंटीना के सामने टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा दिखाई देने लगा. चैंपियन टीम ने हार नहीं मानी. अर्जेंटीना ने लगातार आक्रामक खेल जारी रखा और 79वें मिनट में क्रिस्टियन रोमेरो ने गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया. इस गोल के बाद टीम में नया आत्मविश्वास आया. इसके कुछ ही मिनट बाद लियोनेल मेसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबले में बराबरी कर दी. मेसी ने लुटारो मार्टिनेज की लंबी गेंद को बेहतरीन तरीके से नियंत्रित करते हुए गोल में बदल दिया और स्कोर 2-2 कर दिया. जब मुकाबला अतिरिक्त समय की ओर बढ़ता नजर आ रहा था, तभी एंजो फर्नांडीज ने स्टॉपेज टाइम के तीसरे मिनट यानी 90+3 में शानदार गोल दाग दिया. इस गोल ने अर्जेंटीना को 3-2 की बढ़त दिलाई, जिसे टीम ने अंत तक कायम रखा. अर्जेंटीना ने एक बार फिर दिखाया कि वह दबाव में भी मुकाबला पलटने की क्षमता रखता है. 2018 के बाद पहली बार विश्व कप के किसी मैच के पहले हाफ में गोल खाने के बावजूद टीम ने धैर्य नहीं खोया और शानदार वापसी की.

मिस्र का पलटवार : अर्जेंटीना मैच की अंपायरिंग पर उठाए सवाल

अटलांटा. फीफा वर्ल्ड कप 2026 में अर्जेंटीना और मिस्र के बीच हुआ राउंड ऑफ-16 मुकाबला अब विवादों में घिर गया है. मुकाबले में 2-0 की बढ़त बनाने के बावजूद मिस्र को 3-2 से हार का सामना करना पड़ा. इसके बाद मिस्र फुटबॉल फेडरेशन ने मैच रेफरी और वीडियो असिस्टेंट रेफरी के फैसलों को लेकर फीफा में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है. मिस्र का कहना है कि मुकाबले में कुछ अहम फैसले उसके खिलाफ गए, जिनका सीधा असर नतीजे पर पड़ा. रिपोर्ट्स के अनुसार, मिस्र फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष हनी अबो रिडा ने फ्रेंच रेफरी फ्रैंकोइस लेटेक्सियर और उनकी अंपायरिंग टीम के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है. मिस्र की शिकायत में उन फैसलों की जांच की मांग की गई है, जिन्हें टीम विवादित मान रही है. फेडरेशन ने कथित तौर पर फ्रेंच रेफरी टीम को बाकी टूर्नामेंट से हटाने की मांग भी की है. मुकाबले के दौरान मिस्र का एक गोल समीक्षा के बाद रद्द कर दिया गया था. इसके अलावा इंजरी टाइम में अर्जेंटीना के निर्णायक गोल से पहले पेनल्टी अपील को लेकर भी मिस्र ने सवाल उठाए हैं. टीम का मानना है कि इन फैसलों की दोबारा समीक्षा होनी चाहिए थी. मिस्र के कोच होसाम हसन ने भी रेफरी के फैसलों पर नाराजगी जाहिर की थी.

वेस्टइंडीज ने 23 साल बाद किया कमाल

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज पर कब्जा

नई दिल्ली, 08 जुलाई, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के बीच विवियन रिचर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया दूसरा टेस्ट मैच ड्रॉ पर खत्म हुआ. श्रीलंका से मिले 302 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में बिना कोई विकेट गंवाए 109 रन बनाए, जिसके बाद दोनों कप्तानों ने ड्रॉ पर सहमति जताई.

दूसरा टेस्ट ड्रॉ होने के साथ ही वेस्टइंडीज ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज को 1-0 से अपने नाम किया. वेस्टइंडीज ने 23 साल बाद श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज को अपने नाम किया है. इसके साथ ही पिछले 3 साल और 5 महीने में यह कैरेबियाई टीम की पहली टेस्ट सीरीज जीत है. दूसरी पारी में वेस्टइंडीज को जॉन कैंपबेल और ब्रैंडन किंग ने शानदार शुरुआत दी. दोनों ही बल्लेबाजों ने अर्धशतकीय पारी खेली. कैंपबेल 113 गेंदों का सामना करते हुए 51 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि किंग 5 चौके और एक छक्के की मदद से 51 रन बनाकर नॉटआउट रहे. इससे पहले , श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी 9 विकेट खोकर 251 रन बनाने के बाद घोषित की.

टीम की तरफ से दिनेश चांदीमल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 107 गेंदों का सामना करते हुए 71 रनों की दमदार पारी खेली. वहीं, कामिंदु मेंडिस ने 58 गेंदों में 44 रन बनाए. सोनल दिनुशा ने 28 और धनंजय डी सिल्वा ने 34 रनों का योगदान दिया. वेस्टइंडीज की तरफ से गेंदबाजी में अल्जारी जोसेफ ने 2 विकेट चटकाए, तो शेमार जोसेफ, रोस्टन चेज और जेयडन सील्स ने एक-एक विकेट चटकाया. श्रीलंका ने पहली पारी में 9 विकेट गंवाकर 549 रन बनाने के बाद अपनी पहली पारी को घोषित किया था. टीम की ओर से लाहिरू उदारा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 188 रनों की उम्दा पारी खेली, जबकि सोनल ने 92 और कामिंदु मेंडिस ने 84 रनों का योगदान दिया. इसके जवाब में वेस्टइंडीज की पूरी टीम पहली इनिंग में 499 रन बनाकर ऑलआउट हुई.

विंबलडन : जोकोविच ने रचा इतिहास

सर्बिआ, 08 जुलाई, नोवाक जोकोविच ने विंबलडन में अब तक के सबसे लंबे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया है. वह विंबलडन में लगातार आठवीं बार सेमीफाइनल में पहुंचे हैं.

पांच घंटे और 15 मिनट तक चले मुकाबले में जोकोविच ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 7-6(10), 3-6, 6-3, 6-7(4), 7-6(10-4) से हराया. जोकोविच अपने करियर में 55वीं बार ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं. इसके साथ ही जोकोविच ने विंबलडन के सेमीफाइनल में रिकॉर्ड 15वीं बार जगह बनाई है. जोकोविच ने अपने पहले विंबलडन सेमीफाइनल के 19 साल बाद एक बार फिर अंतिम चार में जगह बनाई है. 39 साल और 51 दिन की उम्र में वह ओपन एरा में विंबलडन सेमीफाइनल में पहुंचने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं. उनसे आगे सिर्फ ऑस्ट्रेलिया के केन रोजवेल हैं, जिन्होंने 1974 में 39 साल 246 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी. 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच ने इस मुकाबले में अनुभव और धैर्य का शानदार उदाहरण पेश किया. मैच के दौरान उन्हें पिंडली की चोट के कारण मेडिकल टाइमआउट भी लेना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और आखिरी सेट में जबरदस्त वापसी करते हुए जीत हासिल की.

वर्ल्ड पैडल लीग का धमाकेदार सीजन मुंबई में

मुंबई. भारत में पैडल खेल के उल्लेखनीय विकास को और गति देते हुए, वर्ल्ड पैडल लीग 12-16 अगस्त, 2026 तक मुंबई के प्रतिष्ठित डोम, एसवीपी स्टेडियम में अपने अब तक के सबसे बड़े संस्करण के साथ वापसी करने के लिए तैयार है. आइकॉनिक स्पोर्ट्स एंड इवेंट्स लिमिटेड द्वारा लाइसेंस प्राप्त और प्रबंधित यह लीग, एक बड़े वेन्यू, छह फ्रेंचाइजी टीमों और एक विशिष्ट अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी लाइन-अप के साथ विकास के एक नए चरण में प्रवेश कर रही है, जो भारत की अग्रणी फ्रेंचाइजी-आधारित पेशेवर पैडल लीग के रूप में इसकी स्थिति को और मजबूत करती है. सीज़न 4 में स्पेन, अर्जेंटीना और ब्राजील सहित पांच देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले दुनिया के 36 अग्रणी पैडल खिलाड़ी शामिल होंगे.

हॉकी : राष्ट्रीय कैंप के लिए चुने गए अर्शदीप

चंडीगढ़, 08 जुलाई. राउंडग्लास हॉकी अकादमी के खिलाड़ी अर्शदीप सिंह ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी लगातार प्रगति को जारी रखते हुए उद्घाटन पुरुष युवा हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 की तैयारियों के लिए आयोजित 15 सदस्यीय सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय शिविर में जगह बनाई है.

यह महाद्वीपीय प्रतियोगिता 20 से 25 जुलाई तक मस्कट, ओमान में आयोजित होगी. दो सप्ताह का यह तैयारी शिविर 7 से 18 जुलाई तक चंडीगढ़ स्थित पंजाब विश्वविद्यालय, सेक्टर-14 में आयोजित किया जा रहा है. यहां अर्शदीप देश के अन्य प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों के साथ भारत के पूर्व कप्तान और मुख्य कोच सरदार सिंह के मार्गदर्शन में हॉकी5एस प्रारूप की तेज गति, तकनीकी कौशल और रणनीतिक पहलुओं पर विशेष प्रशिक्षण ले रहे हैं.

भारत को मिली बड़ी हार

नाटिंघम, 08 जुलाई. नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज में मंगलवार को इंग्लैंड बनाम भारत टी 20 सीरीज के तीसरे मैच में इंग्लैंड से 125 रन से हारने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम को इस छोटे फॉर्मेट में अपनी सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा. पहले बल्लेबाजी करते हुए, दुनिया की नंबर 2 टीम इंग्लैंड ने फिल सॉल्ट के 44 गेंदों में 70 रन और सैम करन के नाबाद 41 रनों की मदद से अपने 20 ओवरों में 201/7 का स्कोर बनाया.

भारत के लिए प्रिंस यादव (2/30) और हर्षित राणा (2/40) ने दो-दो विकेट लिए. 202 रनों का पीछा करते हुए, दुनिया की नंबर 1 टीम भारत कभी भी संभल नहीं पाई, क्योंकि जोफ्रा आर्चर और जोश टोंग ने पावरप्ले के अंदर ही टॉप ऑर्डर को ध्वस्त कर दिया.

शानदार प्रदर्शन | अभिषेक शर्मा दूसरे स्थान पर कायम

आईसीसी टी20 रैंकिंग में किशन नंबर-1

नई दिल्ली, 08 जुलाई. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा जारी टी20 के बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारतीय टीम के बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाजों ईशान किशन और अभिषेक शर्मा ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है.

ईशान किशन टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर हैं, जबकि अभिषेक शर्मा दूसरे स्थान पर बने हुए हैं. पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान तीसरे और इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट चौथे स्थान पर हैं. श्रीलंका के पाथुम निसांका पांचवें स्थान पर हैं. भारत के तिलक वर्मा छठे, इंग्लैंड के जोस बटलर सातवें स्थान पर हैं. भारत के खिलाफ जारी टी20 सीरीज के दूसरे मैच में नाबाद 76 रनों की पारी खेलने वाले इंग्लैंड के बाएं हाथ के बल्लेबाज जैकब बेथेल को रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है. बेथेल 7 स्थान ऊपर चढ़ते हुए आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं. ऑस्ट्रेलिया के मिशेल मार्श नौवें, जबकि दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस दसवें स्थान पर हैं. टी20 गेंदबाजों की बात करें तो अफगानिस्तान के राशिद खान पहले, पाकिस्तान के अबरार अहमद दूसरे, इंग्लैंड के आदिल रशीद 1 स्थान ऊपर चढ़ते हुए तीसरे, और ऑस्ट्रेलिया के एडम जांपा 1 स्थान ऊपर चढ़ते हुए चौथे स्थान पर हैं.

भारत के वरुण चक्रवर्ती को 2 स्थान का घाटा हुआ है, वह पांचवें स्थान पर हैं. ऑस्ट्रेलिया के नाथन एलिस और दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बोश क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर हैं. दोनों को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है. जसप्रीत बुमराह को दो स्थान का घाटा हुआ है, वह आठवें स्थान पर हैं. श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा नौवें और अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान दसवें स्थान पर हैं. भारत और इंग्लैंड के बीच जारी टी20 सीरीज में अभी 2 मैच और खेले जाने हैं, इसलिए आईसीसी की अगली टी20 रैंकिंग में बदलाव दिख सकता है.